

संपादक की कलम



शिक्षा के दरवाजे बंद, अवसरों की कमी

शिक्षा केवल किताबों और कक्षाओं तक सीमित नहीं है; यह हर बच्चे के बेहतर भविष्य की पहली सीढ़ी है। जब किसी क्षेत्र में स्कूल बंद होते हैं, दूर हो जाते हैं या गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच कठिन हो जाती है, तो केवल एक इमारत का दरवाजा बंद नहीं होता, बल्कि अनेक बच्चों के अवसर भी सीमित हो सकते हैं। ग्रामीण और दूर–दराज के क्षेत्रों में स्थानीय स्कूल का विशेष महत्व है। यह बच्चों को उनके घर के पास शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ–साथ परिवारों और समुदायों को भी जोड़ता है। स्कूल बंद होने पर बच्चों को अधिक दूरी तय करनी पड़ सकती है, जिससे परिवहन, सुरक्षा और आर्थिक कठिनाइयों जैसी समस्याएँ पैदा हो सकती हैं। स्कूलों के बंद होने के कई कारण हो सकते हैं—विद्यार्थियों की घटती संख्या, पलायन, कम जन्मदर, संसाधनों की कमी या प्रशासनिक पुनर्गठन। कुछ परिस्थितियों में स्कूलों का विलय बेहतर शिक्षक, प्रयोगशाला, पुस्तकालय और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध करा सकता है। लेकिन किसी भी निर्णय का मूल्यांकन केवल आर्थिक दक्षता के आधार पर नहीं होना चाहिए। ख़ास से महत्वपूर्ण प्रश्न यह होना चाहिए कि इस निर्णय का बच्चों की शिक्षा और भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा? छोटे बच्चों के लिए लंबी दूरी तय करना कठिन हो सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए यह चुनौती और बड़ी हो सकती है। यदि शिक्षा तक पहुँच लगातार कठिन होती जाए, तो कुछ बच्चे पढ़ाई छोड़ने के जोखिम में आ सकते हैं। हालाँकि, हर छोटे स्कूल को बिना उसकी गुणवत्ता देखे ख़ुला रखना भी समाधान नहीं है। जहाँ विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम हो या शिक्षकों और सुविधाओं की गंभीर कमी हो, वहाँ पुनर्गठन की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन इसका उद्देश्य स्कूलों की संख्या घटाना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना होना चाहिए। तकनीक इस दिशा में मदद कर सकती है। डिजिटल कक्षाएँ, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और दूरस्थ शिक्षण विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। लेकिन तकनीक पारंपरिक स्कूल का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकती। बच्चों को शिक्षक, सहपाठी, खेल, पुस्तकालय और सामाजिक वातावरण की भी आवश्यकता होती है। किसी स्कूल को बंद या दूसरे स्कूल में विलय करने से पहले कई बातों का अध्ययन किया जाना चाहिए—वैकल्पिक स्कूल की दूरी, परिवहन, बच्चों की सुरक्षा, परिवारों की आर्थिक स्थिति, उपस्थिति और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुविधाएँ। सरकार और प्रशासन को यह भी समझना होगा कि आज कम विद्यार्थियों वाला कोई गाँव भविष्य में फिर से अधिक बच्चों वाला क्षेत्र बन सकता है। एक बार स्कूल बंद हो जाने के बाद उसे दोबारा स्थापित करना आसान नहीं होता। इसलिए समाधान संतुलित शिक्षा नीति में है। जहाँ आवश्यक हो वहाँ स्कूलों का सुधार और पुनर्गठन किया जाए, लेकिन जहाँ स्कूल समुदाय की मूलभूत आवश्यकता है, वहाँ उन्हें संसाधन उपलब्ध कराकर मजबूत बनाया जाए। अंततः शिक्षा कोई खर्च नहीं, बल्कि मानव क्षमता में निवेश है। हर बच्चे को, चाहे वह शहर में रहता हो या गाँव में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा के दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए; उन्हें और अधिक बच्चों के लिए खोला चाहिए। किसी स्कूल का बंद होना केवल एक संस्था का बंद होना नहीं, बल्कि संभावित रूप से अनेक सपनों के रास्ते का सकरा होना है। हमारी शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक सफलता इसी में है कि वह हर बच्चे के लिए सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर सुनिश्चित करे।



ललित शर्मा

संपादक

और भविष्य पर क्या प्रभाव पड़ेगा? छोटे बच्चों के लिए लंबी दूरी तय करना कठिन हो सकता है। आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के बच्चों के लिए यह चुनौती और बड़ी हो सकती है। यदि शिक्षा तक पहुँच लगातार कठिन होती जाए, तो कुछ बच्चे पढ़ाई छोड़ने के जोखिम में आ सकते हैं। हालाँकि, हर छोटे स्कूल को बिना उसकी गुणवत्ता देखे ख़ुला रखना भी समाधान नहीं है। जहाँ विद्यार्थियों की संख्या बहुत कम हो या शिक्षकों और सुविधाओं की गंभीर कमी हो, वहाँ पुनर्गठन की आवश्यकता हो सकती है। लेकिन इसका उद्देश्य स्कूलों की संख्या घटाना नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुँच सुनिश्चित करना होना चाहिए। तकनीक इस दिशा में मदद कर सकती है। डिजिटल कक्षाएँ, ऑनलाइन अध्ययन सामग्री और दूरस्थ शिक्षण विशेषज्ञ शिक्षकों की कमी को कुछ हद तक पूरा कर सकते हैं। लेकिन तकनीक पारंपरिक स्कूल का पूर्ण विकल्प नहीं हो सकती। बच्चों को शिक्षक, सहपाठी, खेल, पुस्तकालय और सामाजिक वातावरण की भी आवश्यकता होती है। किसी स्कूल को बंद या दूसरे स्कूल में विलय करने से पहले कई बातों का अध्ययन किया जाना चाहिए—वैकल्पिक स्कूल की दूरी, परिवहन, बच्चों की सुरक्षा, परिवारों की आर्थिक स्थिति, उपस्थिति और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों की सुविधाएँ। सरकार और प्रशासन को यह भी समझना होगा कि आज कम विद्यार्थियों वाला कोई गाँव भविष्य में फिर से अधिक बच्चों वाला क्षेत्र बन सकता है। एक बार स्कूल बंद हो जाने के बाद उसे दोबारा स्थापित करना आसान नहीं होता। इसलिए समाधान संतुलित शिक्षा नीति में है। जहाँ आवश्यक हो वहाँ स्कूलों का सुधार और पुनर्गठन किया जाए, लेकिन जहाँ स्कूल समुदाय की मूलभूत आवश्यकता है, वहाँ उन्हें संसाधन उपलब्ध कराकर मजबूत बनाया जाए। अंततः शिक्षा कोई खर्च नहीं, बल्कि मानव क्षमता में निवेश है। हर बच्चे को, चाहे वह शहर में रहता हो या गाँव में, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का समान अवसर मिलना चाहिए। शिक्षा के दरवाजे बंद नहीं होने चाहिए; उन्हें और अधिक बच्चों के लिए खोला चाहिए। किसी स्कूल का बंद होना केवल एक संस्था का बंद होना नहीं, बल्कि संभावित रूप से अनेक सपनों के रास्ते का सकरा होना है। हमारी शिक्षा व्यवस्था की वास्तविक सफलता इसी में है कि वह हर बच्चे के लिए सीखने, आगे बढ़ने और अपने सपनों को साकार करने का अवसर सुनिश्चित करे।

सत्य-अहिंसा

डॉ. सत्यवान सौरभ

कविता



हिंसा कैसे से रूप हो, देती केवल धाव ।

प्रेम–अहिंसा से मिले, टूटे मन को चाव ॥

सत्य–अहिंसा के बिना, कैसा मानव धर्म ।

इनसे ही निर्मल बने, जीवन के सब कर्म ॥

बापू की उस सीख को, रखना सदा सँभाल ।

सत्य रहे व्यवहार में, निर्मल हो हर चाल ॥

ऊँच–नीच के भेद को, मन से दें हम त्याग ।

समानता के भाव से, जग में भर अनुराग ॥

गाँधी का संदेश है, मत रखना अभिमान ।

सेवा को ही श्रेष्ठ चुन, यह सच्चा सम्मान ॥

क्रोध बढ़े तो मौन धर, सोच समझकर बोल ।

मीठे वचन मनुष्य के, दे समरसता घोल ॥

भारत की धरती कहे, सत्य रहे आधार ।

अहिंसा और प्रेम से, बढ़े देश का प्यार ॥

बापू के आदर्श को, केवल पढ़ना व्यर्थ ।

जीवन में उतरे तभी, उनका होगा अर्थ ॥

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित करारक ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी. सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया ।
संपादक : ललित शर्मा

सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा ।

कॉकपिट तक पहुंचा मिडिल ईस्ट का तनाव

आसमान में अचानक मचा हड़कंप

उड़ान सामान्य रूप से दुबई से रवाना हुई थी, लेकिन कुछ समय बाद कॉकपिट में दोनों पायलटों के बीच हिंसक झड़प की स्थिति पैदा हो गई। रिपोर्टों के मुताबिक सहपायलट ने कप्तान पर धारदार हथियार से हमला किया। इसी दौरान विमान की ऊंचाई तेजी से कम हुई। कुछ रिपोर्टों के अनुसार विमान लगभग 14 हजार फुट तक बहुत कम समय में नीचे आया। बाद में विमान ने आपातकालीन संकेत जारी किए और उसका मार्ग बदला गया। स्थिति बिगड़ने के बावजूद कप्तान मच्छर ने नियंत्रण वापस लेने और कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। यात्रियों और क्रू ने हमलावर को काबू किया। इसके बाद विमान को तबुक की ओर मोड़ा गया, जहां उसकी सुरक्षित आपातकालीन लैंडिंग हुई। सऊदी अधिकारियों के अनुसार दोनों पायलटों को चिकित्सा उपचार दिया गया और यात्रियों को बाद में दूसरे विमान से उनकी यात्रा पर भेजा गया। यह घटना इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि विमान सुरक्षा की आधुनिक व्यवस्था मुख्य रूप से बाहरी हमलों को रोकने पर केंद्रित रही है। लेकिन जब खतरा कॉकपिट के भीतर से पैदा होे, तो सुरक्षा की पूरी रणनीति के सामने एक अलग तरह की चुनौती खड़ी हो जाती है।

9/11 के बाद बदती थी विमान सुरक्षा

2001 के 9/11 हमलों के बाद दुनिया भर में विमान सुरक्षा के नियमों में बड़े बदलाव किए गए। कॉकपिट के



दरवाजों को अधिक मजबूत बनाया गया और विमान के भीतर बाहरी घुसपैठ को रोकने के लिए कई नए सुरक्षा उपाय लागू हुए।लेकिन विमान के भीतर मौजूद किसी व्यक्ति से पैदा होने वाले खतरे की चुनौती अलग है। 2015 में जर्मनीविंस फ्लाइट 9525 की दुर्घटना ने भी इस सवाल को गंभीरता से सामने रखा था कि यदि खतरा कॉकपिट के अंदर मौजूद व्यक्ति से ही पैदा हो जाए तो सुरक्षा व्यवस्था किस तरह प्रतिक्रिया देगी।फ्लाइटदुबई की घटना ने एक बार फिर इनसाइडर श्रेट यानी अंदरूनी खतरे की ओर ध्यान आकर्षित किया है। इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक पायलट या क्रू सदस्य को संभावित खतरे के रूप में देखा जाए, बल्कि विमानन क्षेत्र में सुरक्षा जांच की प्रकृति और उसके दायरे पर पुनर्विचार की आवश्यकता सामने आती है।

मानसिक और सुरक्षा जांच पर उठे सवाल

इस घटना के बाद विमानन क्षेत्र में पायलटों और अन्य महत्वपूर्ण कर्मचारियों की मानसिक स्वास्थ्य तथा सुरक्षा जांच को लेकर बहस तेज होना स्वाभाविक है। नियमित चिकित्सा



अनेक शहरों की वायु गुणवत्ता खराब या बहुत खराब श्रेणी में है। वाहनों का धुआँ, निर्माण की धूल, औद्योगिक उत्सर्जन और कचरा जलाना प्रदूषण बढ़ा रहे हैं।इसकी मार बच्चों, बुजुर्गों और बीमारों पर पड़ रही है। प्रदूषणजनित बीमारियों और असमय मौतें गंभीर स्वास्थ्य चुनौती हैं। बच्चे मास्क लगाकर स्कूल जा रहे हैं, बुजुर्ग साँस की समस्याओं से जूझ रहे हैं।

स्वच्छ हवा अब आर्थिक क्षमता पर निर्भर है।संपन्न लोग एयर प्यूरीफायर खरीद सकते हैं, जबकि गरीब प्रदूषण से बचने के प्रभावी विकल्पों से वंचित हैं। विकास का विरोधाभास आर्थिक उपलब्धियों और आम आदमी की हकीकत में साफ झलकता है।सकल घरेलू उत्पाद बढ़ रहा है, सड़कें-पुल बन रहे हैं, निवेश और औद्योगिक परियोजनाएँ फैल रही हैं। लेकिन भूजल घट रहा है, जलस्रोत सूख रहे

हैं और हवा दूषित हो रही है। बिजली की बढ़ती माँग और कटीती ग्रामीण-शहरी जीवन को प्रभावित कर रही है। बड़े प्रोजेक्टों पर भारी खर्च होता है, पर जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और सार्वजनिक सुविधाओं के रखरखाव को समान प्राथमिकता नहीं मिलती। विकास केकेवल निर्माण और निवेश नहीं है।

आर्थिक गतिविधियाँ बढ़ें, लेकिन पीने का पानी और स्वच्छ पर्यावरण न मिले, तो उसकी सामाजिक कीमत भी आँकनी होगी। चौड़ी सड़कें और चमकदार इमारतें तभी जनकल्याणकारी हैं, जब वे जीवन सुरक्षित और सुविधाजनक बनाएँ। विकास के आँकड़ों में सड़कें, पुल, निवेश और उत्पादन दर्ज होते हैं, लेकिन पानी के लिए जुझते परिवारों और प्रदूषित हवा में साँस लेते बच्चों की पीड़ा ओझल रहती है। आर्थिक

माध्यम से।

इस प्रक्रिया में विद्यालयों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पढ़ने को केवल परीक्षा की आवश्यकता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर कहानियाँ, जीवनियाँ, विज्ञान की पुस्तकें, इतिहास, यात्रा-वृत्तंत, कविता और उनकी आयु के अनुरूप साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। जब पढ़ना केवल परीक्षा से जुड़ जाता है, तो वह बोझ जैसा लग सकता है।लेकिन जब पढ़ना खोज, आनंद और जिज्ञासा से जुड़ता है, तो यह जीवनभर की आदत बन सकता है।

फ्लाइटदुबई ने जल्दबाजी में किसी निष्कर्ष पर पहुंचने से बचने की बात कही है और घटना की जांच जारी है। इसलिए हमले के अंतिम मकसद को जांच पूरी होने से पहले निश्चित रूप से बताना उचित नहीं होगा।यही सावधानी इस घटना को समझने में जरूरी है। मध्य-पूर्व की राजनीतिक परिस्थितियां अत्यंत तनावपूर्ण हैं, लेकिन किसी व्यक्ति के हिंसक कृत्य का कारण केवल व्यापक भूराजनीतिक संघर्ष को मान लेना जांच के निष्कर्ष का विकल्प नहीं हो सकता।फ्लाइटदुबई की उड़ान का एक महत्वपूर्ण राजनीतिक संदर्भ भी है।2020 के अन्नहम समझौतों के बाद संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन ने इजरायल के साथ अपने संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में कदम उठाए।इससे व्यापार, पर्यटन और नागरिक विमान सेवाओं के नए रास्ते खुले।

दुबई और तेल अवीव के बीच नियमित उड़ानें इसी बदलते क्षेत्रीय समीकरण का हिस्सा हैं।लेकिन मध्य-पूर्व में इजरायल और फिलिस्तीन का संघर्ष अब भी गहरे राजनीतिक और भावनात्मक तनाव का विषय है।गाजा और अन्य क्षेत्रों में जारी संघर्ष तथा उससे जुड़ी मानवीय परिस्थितियों ने अरब और व्यापक मुस्लिम समाज में तीखी प्रतिक्रियाएँ पैदा की हैं।इसी तरह की परिस्थितियां का इस्तेमाल चरमपंथी संगठन अपने प्रचार के लिए करते हैं। वे राजनीतिक और मानवीय असंतोष को धार्मिक संघर्ष का रूप देने की कोशिश कर सकते हैं।इसलिए आतंकवाद और उग्रवाद से मुकाबले में केवल सुरक्षा कार्रवाई ही नहीं, बल्कि कट्टरपंथी प्रचार, ऑनलाइन ब्रेनवॉशिंग और हिंसक विचारधाराओं

के प्रसार को रोकना भी महत्वपूर्ण है।

विरोध का अधिकार और आतंक की सीमा

किसी देश की सैन्य या राजनीतिक नीति पर विरोध करना एक अलग विषय है और नागरिक विमान को निशाना बनाकर यात्रियों की जान खतरे में डालना बिल्कुल अलग।विमान में सवार यात्री किसी सैन्य अभियान का हिस्सा नहीं थे। वे सामान्य नागरिक थे। इसलिए किसी राजनीतिक या धार्मिक विवाद का बदला निर्दोष यात्रियों से लेना किसी भी परिस्थिति में स्वीकार्य नहीं माना जा सकता।इजरायल की नीतियों और निशानेबाहों हो या फिलिस्तीन के विरोध, ये राजनीतिक और कूटनीतिक प्रक्रियाओं के विषय हैं। लेकिन हिंसा के जरिए नागरिकों को निशाना बनाना उस राजनीतिक विवाद को आतंक और सामूहिक खतरे में बदल देता है।

कॉकपिट की सुरक्षा सबसे बड़ी चुनौती

फ्लाइटदुबई की घटना ने विमानन सुरक्षा विशेषज्ञों के सामने एक कठिन सवाल फिर से खड़ा कर दिया है, यदि कॉकपिट के अंदर ही हिंसा शुरू हो जाए तो क्या मौजूदा सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त है? कॉकपिट के मजबूत दरवाजे बाहरी घुसपैठ रोकने में उपयोगी हैं, लेकिन अंदर बैठे व्यक्ति से उत्पन्न खतरे के लिए अलग सुरक्षा रणनीति की जरूरत होती है।पायलटों के चयन, प्रशिक्षण, नियमित चिकित्सा परीक्षण, मानसिक स्वास्थ्यवाद और उग्रवाद से मुकाबले में केवल सुरक्षा कार्रवाई ही नहीं, बल्कि कट्टरपंथी प्रचार, ऑनलाइन ब्रेनवॉशिंग और हिंसक विचारधाराओं

है ?

वृद्धि के साथ लाभों का वितरण और पर्यावरणीय कीमत भी अहम हैं। संसाधनों का लाभ कुछ क्षेत्रों को मिले और बोझ कमजोर वर्गों पर पड़े, तो विकास असंतुलित है। बाजार बोलतबंद पानी, निजी टैंकर और एयर प्यूरीफायर उपलब्ध कराता है, लेकिन इनकी पहुँच आर्थिक क्षमता पर निर्भर है।संपन्न लोग निजी उपकरण से संकट टाल लेते हैं, जबकि गरीब सार्वजनिक व्यवस्था की विफलताओं का बोझ उठाते हैं। इसलिए विकास का आकलन केवल आर्थिक वृद्धि से नहीं, बल्कि सभी वर्गों तक उसके लाभ पहुँचने से भी होना चाहिए।पानी और हवा के संकट परस्पर जुड़े हैं।जंगलों की कटाई, जलस्रोतों पर अतिक्रमण, अनियोजित शहरीकरण और भूजल का अंधाधुंध दोहन प्राकृतिक संतुलन बिगाड़ रहे हैं।जलवायु परिवर्तन से अनियमित वर्षा, लंबे सूखे और अतिवृष्टि जल प्रबंधन को जटिल बना रहे हैं।

कम बारिश से जलाशय घटते हैं, जिससे सिंचाई, पेयजल और बिजली उत्पादन प्रभावित होते हैं। हरित क्षेत्रों का सिकुड़ना और प्रदूषणकारी गतिविधियाँ शहरी पर्यावरण पर दबाव बढ़ाती हैं।संकट में टैंकर भेजना या अस्थायी प्रतिबंध समाधान नहीं। वर्षा जल संचयन, तालाबों का पुनर्जीवन, भूजल पुनर्भरण, सूक्ष्म सिंचाई, हरित क्षेत्रों का संरक्षण और औद्योगिक

उत्सर्जन पर नियंत्रण विकास योजनाओं का अनिवार्य हिस्सा हों। पर्यावरण संरक्षण विकास की बुनियादी शर्त है, औपचारिकता नहीं। विकास के नाम पर यदि खेत प्यारे, नदियाँ सूखी और शहर जहरीली हवा की गिरफ्त में हों, तो चमकते आँकड़े भी बदहाली की हकीकत नहीं छिपा सकते। उद्योग, निवेश और बुनियादी ढाँचे जरूरी हैं, लेकिन इनकी कीमत किसानों की आजीविका, नागरिकों के स्वास्थ्य और प्राकृतिक संसाधनों के विनाश से नहीं चुकाई जा सकती।

प्रगति की दिशा ऐसी हो, जिसमें सिंचाई, वर्षा जल संचयन, स्वच्छ ऊर्जा, सार्वजनिक परिवहन और प्रदूषण नियंत्रण को प्राथमिकता मिले। इसके लिए सरकार, उद्योग और समाज की जवाबदेही तय करने के साथ संसाधनों का न्यायपूर्ण वितरण और पर्यावरणीय प्रभावों का पारदर्शी आकलन सुनिश्चित करना होगा।

आखिर जिस व्यवस्था में अन्नदाता सिंचाई के लिए तरसे, नागरिक शुद्ध वायु को संघर्ष करें और बुनियादी सुविधाएँ ही विलासिता बन जाएँ, उसकी उपलब्धियों का ढोल पीटना का क्या औचित्य? सार्थक प्रगति की कसौटी ऊँची इमारतें और पूँजी निवेश नहीं, बल्कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वच्छ पर्यावरण, पर्याप्त पेयजल, सुरक्षित आजीविका और सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराना है।

स्वेच्छा से पढ़ना चाहें। प्रकाशक पुस्तकें बाजार तक पहुँचा सकते हैं, लेखक उन्हें लिख सकते हैं, शिक्षक उनकी सिफारिश कर सकते हैं और पुस्तकालय उन्हें उपलब्ध करा सकते हैं।लेकिन अंतिम निर्णय पाठक का ही होता है। कोई विज्ञापन किसी व्यक्ति को जिज्ञासु बनने के लिए मजबूर नहीं कर सकता। पढ़ना भी बच्चों के मन में पुस्तकों के प्रति सकारात्मक भावना पैदा कर सकता है।

पुस्तकालयों को भी समय के साथ बदलना होगा। आधुनिक पुस्तकालय का काम केवल पुस्तकों को संग्रहित करना नहीं, बल्कि पाठक तैयार करना होना चाहिए।

पठन क्लब, लेखक से संवाद, कहानी सुनाने के कार्यक्रम, पुस्तक परिचारएँ और विद्यार्थियों द्वारा पुस्तक-सिफारिश जैसी गतिविधियाँ पुस्तकालयों को जीवंत सांमुदायिक केंद्र बना सकती हैं।डिजिटल संसाधन मुद्रित पुस्तकों के विकल्प के बजाय उनके सहयोगी बन सकते हैं।

इसलिए चुनौती केवल अधिक पुस्तकें बेचने की नहीं है। चुनौती ऐसा वातावरण बनाने की है, जिसमें लोग



वीरेंद्र बहादुर सिंह

लेखक

मध्य-पूर्व में लंबे समय से चले आ रहे राजनीतिक और सैन्य तनाव का असर अब अंतरराष्ट्रीय नागरिक उड्डयन की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल खड़े कर रहा है। दुबई से तेल अवीव जा रही फ्लाइटदुबई की उड़ान ३७73 में 30 सितंबर, 2026 को हुई घटना ने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींचा। विमान में 174 यात्री और आठ क्रू सदस्य सवार थे। उड़ान के दौरान कॉकपिट में एक सहपायलट ने कथित रूप से कप्तान पर हमला किया और विमान के नियंत्रण को प्रभावित करने की कोशिश की। विमान अचानक हजारों फुट नीचे आ गया और बाद में सऊदी अरब के तबुक हवाई अड्डे पर उसकी आपातकालीन लैंडिंग कराई गई।

भारतीय मूल के कप्तान स्मित मच्छर इस घटना में गंभीर रूप से घायल हुए, लेकिन उन्होंने कॉकपिट का दरवाजा खोलने में सफलता हासिल की। इसके बाद यात्रियों और क्रू सदस्यों ने हमलावर को काबू करने में मदद की। विमान में मौजूद रिजर्व पायलटों ने भी स्थिति संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और विमान को सुरक्षित तबुक पहुँचाया।



प्रो. आरके जैन

लेखक

विकास का उद्देश्य आर्थिक आँकड़े चमकाना है या नागरिकों का जीवन सँवारना? जब गाँव का किसान फसल के लिए पानी और शहर का नागरिक स्वच्छ हवा को तरसे, तो विकास की प्राथमिकताओं पर सवाल उठना स्वाभाविक है। देश को आधुनिक उद्योग, बेहतर सड़कें, ऊर्जा और मजबूत बुनियादी ढाँचे चाहिए, लेकिन इनकी कीमत आम आदमी के स्वास्थ्य, आजीविका और प्राकृतिक संसाधनों से नहीं चुकाई जा सकती। सच्चा विकास वही है, जिसमें कुएँ सूखें नहीं, खेतों तक पानी पहुँचे, शहरों की हवा साँस लेने योग्य हो और हर नागरिक को बुनियादी सुविधाएँ सम्मानपूर्वक मिलें। इसकी कसौटी ऊँची इमारतें, निवेश और चमकदार आँकड़े नहीं, बल्कि आम आदमी का सुरक्षित व स्वस्थ जीवन है। जब तक पानी और हवा जैसी जरूरतें सबकी

पुस्तकें बिकती हैं, पाठकीयता नहीं

आज का प्रकाशन उद्योग अत्यंत प्रतिस्पर्धी हो गया है। प्रकाशक, लेखक और पुस्तक विक्रेता स्वाभाविक रूप से बिक्री, लोकप्रियता, रैंकिंग और व्यावसायिक सफलता पर ध्यान देते हैं। आकर्षक आवरण, प्रचार अभियान, सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने पुस्तकों को पहले की तुलना में अधिक सुलभ बना दिया है। फिर भी एक विरोधाभासी स्थिति सामने आ रही है—पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ रही है, लेकिन निरंतर और गंभीर पढ़ने की आदत कई चुनौतियों का सामना कर रही है।

स्मार्टफोन और छोटे डिजिटल कंटेंट के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के सूचना ग्रहण करने के तरीके को बदल दिया है। अनेक युवा वीडियो, सुधियों और छोटी-छोटी पोस्ट को तेजी से देखने और आगे बढ़ जाने के अभ्यस्त हो रहे हैं।किसी लंबे अध्याय को पढ़ने के लिए धैर्य, एकाग्रता और मानसिक सहभागिता की आवश्यकता होती है। छोटी डिजिटल क्लिप के विपरीत पुस्तक हमेशा तत्काल मनोरंजन या उत्तेजना प्रदान नहीं करती। वह पाठक से समय और ध्यान मांगती है।

यहीं पुस्तक बेचने और पाठक



डॉ विजय गर्ग

लेखक

किताब छापी जा सकती है, प्रदर्शित की जा सकती है, उसका विज्ञापन किया जा सकता है, उस पर छूट दी जा सकती है और उसे बेचा जा सकता है। लेकिन पाठकीय संस्कृति केवल विपणन के माध्यम से पैदा नहीं की जा सकती। कोई पुस्तक पाठक की अलमारी तक तो पहुँच सकती है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह उसके मन और विचारों तक भी पहुँचे।किसी पुस्तक की वास्तविक सफलता केवल उसकी बिक्री के आंकड़ों में नहीं, बल्कि इस बात में है कि कितने लोगों ने उसे पढ़ा, उसके विचारों पर चिंतन किया और उन्हें अपने जीवन में उतारने का प्रयास किया।



गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती पर महापुरुषों को अर्पित किए श्रद्धासुमन, स्वच्छता कर्मियों को किया सम्मानित

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी एवं पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्री लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती के पावन अवसर पर नगर पालिका परिषद मोदीनगर द्वारा गांधी ग्राउंड में श्रद्धांजलि एवं माल्यार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में विधायक डॉ. मंजू शिवाच, नगर पालिका परिषद मोदीनगर के चेयरमैन विनोद वैशाली एवं आंधशासी अधिकारी नरेंद्र मोहन मिश्र सहित सम्मानित सभासदगण एवं नगर पालिका के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।

सभी ने महात्मा गांधी जी एवं लाल बहादुर शास्त्री जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया। इसी क्रम में स्वच्छता अभियान के अंतर्गत नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया



गया। इस अवसर पर उनके समर्पण, मेहनत एवं सेवाभाव की सराहना करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया गया।

विधायक डॉ. मंजू शिवाच ने कहा कि

महात्मा गांधी जी ने सत्य, अहिंसा और स्वच्छता का संदेश देकर देश को नई

दिशा दी। स्वच्छता केवल सरकार या किसी एक विभाग की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

नगर पालिका चेयरमैन विनोद वैशाली ने कहा कि महात्मा गांधी जी के स्वच्छता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना और उसे व्यवहार में उतारना हम सभी की जिम्मेदारी है। नगर पालिका द्वारा स्वच्छ, सुंदर एवं व्यवस्थित मोदीनगर के निर्माण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित सभी लोगों ने महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात करते हुए स्वच्छ, सुंदर एवं विकसित मोदीनगर के निर्माण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया। कार्यक्रम में नगर पालिका के सभासदगण वेद प्रकाश चौधरी, सूबे सिंह, आलोक कौशिक, आदित्य बांबी, सोनू चौधरी, जितेंद्र चौधरी, संदीप सांगवान, अरुण खन्ना, ललित सेन, संजय चौधरी, अर्जुन नेहरा, धर्मवीर सिंह, अधिकारी-कर्मचारी, स्वच्छता कर्मी एवं अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान मजदूर मोर्चा की 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरने की घोषणा



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। क्षेत्र की ज्वलंत जनसमस्याओं को लेकर भारतीय किसान मजदूर मोर्चा के तत्वावधान में 5 अक्टूबर से मोदीनगर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

पत्रकारों को जानकारी देते हुए मोर्चे के अध्यक्ष डॉ. बबली गुर्जर, युवा अध्यक्ष पंडित सतेंद्र शर्मा एवं महिला विंग अध्यक्ष श्रीमती नीरज प्रजापति ने संयुक्त रूप बताया कि समस्याओं से क्षेत्र की बड़ी संख्या

में जनता लंबे समय से प्रभावित है। छह सूत्रीय मांगों के समाधान के लिए 5 अक्टूबर से मोदीनगर में अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि रेलवे फाटकों पर जाम से मुक्ति की व्यवस्था, सीकरी महामाया मंदिर की धनराशि का निर्माण कार्य में उपयोग, जर्जर सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण, तहसील में भ्रष्टाचार पर अंकुश, गोविंदपुरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार, हनुमानपुरी का 70 वर्ष पुराना रास्ता खोलने की

मांग की। पदाधिकारियों का कहना है कि प्राथमिकता के आधार पर समाधान कराया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि यदि मांगों पर समय रहते सकारात्मक कार्रवाई नहीं होती है तो 5 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन धरना शुरू किया जाएगा। प्रेस वार्ता में डॉ. बबली गुर्जर, सतेंद्र शर्मा, नीरज प्रजापति सभासद गुलाब सिंह सभासद, मास्टर धर्मवीर सिंह, सभासद आलोक भारती, नवीन जैन, राज वर्मा विपिन ज़िंदल जॉनी चौधरी जयप्रकाश शर्मा सहित दर्जनों पदाधिकारी मौजूद रहे

भाजपा नेत्री अपराजिता सिंह को अनुसूचित मोर्चा में मीडिया संयोजक बनाए जाने पर स्वागत किया



अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रीय परशुराम परिषद के कार्यालय पर आयोजित एक कार्यक्रम में श्रीमती अपराजिता सिंह नवनियुक्त उत्तर प्रदेश भाजपा अनुसूचित मोर्चा में सोशल मीडिया संयोजक बनाए जाने पर उनका भाव स्वागत किया गया।

राष्ट्रीय परशुराम परिषद के सीकरी रोड स्थित कार्यालय पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा के

वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राज्य मंत्री सुनील भराला ने भी भाग लिया।

इस मौके पर शहर से भाजपा की पूर्व जिला मंत्री श्रीमती अपराजिता सिंह को उत्तर प्रदेश भाजपा अनुसूचित मोर्चा में सोशल मीडिया संयोजक बनाये जाने पर राष्ट्रीय परशुराम परिषद द्वारा भव्य स्वागत किया गया। प्रदेश महामंत्री दीपक वत्स ,ललित, श्रीमती गीता कौशिक एवम समस्त नगर टीम द्वारा उज्ज्वल भविष्य की मंगल कामना की।

मोदी कॉलेज में गांधी जयंती पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन

भाईचारा तथा सर्वधर्म समभाव जैसे गुण हमें गांधीजी से सीखने चाहिए: डॉ एस सी अग्रवाल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। डॉ के एन मोदी साइंस एंड कॉमर्स कॉलेज मोदीनगर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर विद्यालय में प्रधानाचार्य डॉक्टर सतीश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें सभी शिक्षकों शिक्षकाओं व छात्रों ने स्वच्छ भारत स्वस्थ भारत विकसित भारत की शपथ ली तथा सभी शिक्षक व छात्रों एनसीसी कैडेट्स स्काउट ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण किया वच्चों ने अपनी कविता और भाषण के माध्यम से गांधी जी के विषय में विस्तार से बताया। प्रधानाचार्य डॉक्टर



एस सी अग्रवाल ने छात्रों को गांधी जी के बताए गए सिद्धांतों पर चलने के लिए प्रेरित किया गांधीजी सत्य अहिंसा के पुजारी थे सत्य और अहिंसा पर चलते हुए ही उन्होंने देश को आजादी दिलाते में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। विद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी

राजकुमार सिंह ने भी अपने विचार व्यक्त किये।

कार्यक्रम का संचालन प्रवीण जैनर ने किया। राजीव वर्मा श्रीमती नीतू तेजवीर सिंह इरशाद अहमद, राजीव जगिन्ड ने भी अपने प्रेरणादायक संदेशों से छात्रों को प्रेरित किया। सभी

छात्रों को अपने आसपास सफाई रखने के लिए शपथ दिलाते हुए अंत में मिष्ठान वितरित किया गया।

विद्यालय के प्रधान लिपिक सतीश कुमार, राजीव सिंह, नरेश प्रजापति, रेखा रानी, धर्मवीर सिंह ने मंच व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह के बहुत नजदीक रहे चौधरी हरीराम को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

वेलकम इंडिया संवाददाता

मुजफ्फरनगर। भारत रत्न, पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय चौधरी चरण सिंह जी के बहुत नजदीक रहे चौधरी हरीराम जी का निधन हो गया था। उनकी श्रद्धांजलि सभा में मुजफ्फरनगर और आस-पास के जिलों से आए हुए गणमान्य लोगों ने श्रद्धांजलि देते हुए बताया कि चौधरी हरिराम जी ने जीवन में उन्होंने हमेशा चौधरी साहब के आदर्शों पर चलने का काम किया कमजोर व्यक्ति की हमेशा मदद की ईमानदारी और सादगी से अपना जीवन जिजा और समाज में अपना एक अलग स्थान बनाया। श्रद्धांजलि देने वालों में रालोद संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष व पूर्व सांसद के.सी त्यागी '

बागपत के सांसद डॉ श्री राजकुमार सांगवान, मुजफ्फरनगर के सांसद हरेंद्र मलिक, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी के



निजी सलाहकार डा. वीरपाल मलिक, उ. प्र सरकार के मंत्री कपिलदेव अग्रवाल, पूर्व सांसद एवं पूर्व मंत्री डीपी यादव, पूर्व सांसद कादिर राणा, पूर्व सांसद सईदुल जमा, पूर्व सांसद सोहनवीर सिंह, बुढ़ाना विधायक, राजपाल बात्यान जी' शामली विधायक, प्रसन्न चौधरी थाना भवन विधायक अशरफ अली खान मीरापुर

से विधायक मिथिलेश पाल की बेटी सुप्रिया पाल' पूर्व मंत्री योगराज सिंह पूर्व मंत्री धर्मवीर बालियान सहकारिता प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष अमरजीत सिंह, बिड़ौ राष्ट्रीय प्रवक्ता एड. अजयवीर सिंह' प्रदेश महासचिव रणवीर दहिया गाजियाबाद जिलाध्यक्ष रालोद रामपाल चौधरी आदि ने भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल में धूमधाम से मनाई गई गांधी एवं शास्त्री की जयंती



मोदीनगर (वेलकम इंडिया)। तुलसीराम माहेश्वरी पब्लिक स्कूल परिसर में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती अत्यंत श्रद्धा, उत्सास और गरिमा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती रजनी ओहरी ने समस्त अध्यापकों, अध्यापिकाओं एवं संयोजकों (कोऑर्डिनेटर्स) के साथ मिलकर महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर माल्यार्पण करके किया। विद्यालय के प्रबंधक विनोद कुमार माहेश्वरी की प्रेरणा एवं मार्गदर्शन में गौरव माहेश्वरी एवं श्रीमती राधिका माहेश्वरी ने कहा कि गांधी जी के सत्य, अहिंसा व शांति के विचार और शास्त्री जी का सादगीपूर्ण जीवन हमारे लिए सदा वंदनीय है। अध्यापक-अध्यापिकाओं द्वारा दोनों महापुरुषों के जीवन एवं उनके योगदान पर विचारपूर्ण भाषण दिए गए। कार्यक्रम के मंच का कुशल संचालन देवेन्द्र चौधरी द्वारा किया गया। अंत में प्रधानाचार्या ने सभी को जयंती की शुभकामनाएं दी।

शास्त्री एवं गांधी जी की जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वच्छता अभियान चलाया

वेलकम इंडिया संवाददाता

मोदीनगर। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर में गांधी जयंती और लाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती पर दोनों महापुरुषों को फूल मालाएं चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित कर स्वच्छता अभियान चलाया गया।

इस मौके पर चिकित्सा अधीक्षक डॉ.दिनेश कुमार द्वारा 1 अक्टूबर से 31 अक्टूबर तक चलने वाले संचारी रोग तथा दस्तक अभियान के विषय में भी सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों को जानकारी दी तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद द्वारा दिए गए आदेशों के क्रम में सभी को गांधी जयंती के उपलक्ष में स्वच्छता दिवस मनाने के निर्देश दिए गए तथा झाड़ू दिवस भी मानने के लिए भी प्रेरित किया गया।

चिकित्सा अधीक्षक एवं प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद



के उपाध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के प्रांगण में झाड़ू लगाकर साफ सफाई अभियान का शुभारंभ किया गया। चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार द्वारा प्रांगण में झाड़ू लगाकर साफ सफाई प्रारंभ की गई।

उसी से प्रेरित होकर अस्पताल के सभी कर्मचारियों तथा अधिकारी,

महिला तथा पुरुष सभी ने मिलकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के प्रांगण में साफ सफाई का कार्य बड़े ही लगन और मेहनत से किया। इस मौके पर डॉ विक्रान्त ,डॉक्टर नवीन, डॉक्टर रितु ,डॉक्टर राशिका ,डॉक्टर करणपाल, टीवी डिपार्टमेंट से राकेश देवराणा ,दिनेश उपस्थित रहे।

गांधी जयंती के अवसर पर आरकेजीआईटी में मनाया गया स्वच्छ भारत दिवस

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में वड 37 इट ठउउ के निदेशानुसार स्वच्छ भारत दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं एनसीसी कैडेट्स में स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक जिम्मेदारी तथा महात्मा गांधी के स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के विचारों के प्रति जागरूकता उत्पन्न करना रहा। कार्यक्रम के दौरान नुककड़ नाटक, स्वच्छता शपथ, रंगोली, वृक्षारोपण एवं स्लोगन लेखन जैसी विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। एनसीसी कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए स्वच्छता



एवं पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया। नुककड़ नाटक के माध्यम से स्वच्छता के महत्व और दैनिक जीवन में स्वच्छ आदतों को अपनाने का प्रभावी संदेश

दिया गया। कार्यक्रम का आयोजन संस्थान के डायरेक्टर, आर के जी आई टी डॉ. बी.सी. शर्मा, डीन स्टूडेंट वेल्फेयर एच.जी. गर्ग तथा स्टूडेंट एक्टिविटी काउंसिल चेयरमैन

आलोक त्यागी के मार्गदर्शन एवं सहयोग से किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में विकास त्यागी, सी टी ओ- एन सी सी; प्रिया शर्मा, कॉर्डिनेटर एन सी सी; तथा देवांश सिंह, डी आई-एन सी सी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस अवसर पर सभी एनसीसी कैडेट्स ने स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाने तथा स्वच्छ एवं हरित भारत के निर्माण में सक्रिय योगदान देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के अंत में संस्थान के पदाधिकारियों ने एनसीसी कैडेट्स की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक अभियान नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी और स्वस्थ समाज के निर्माण की आधारशिला है।

फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने ब्राइट क्रिकेट क्लब दिल्ली को 5 विकेट से हराया



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। प्रथम भारतन बख्शी क्रिकेट टूर्नामेंट का शुभारंभ शुक्रवार को हुआ। टूर्नामेंट का उद्घाटन श्री दिनेश सेनी, श्री राकेश महाजन, नीरज गौतम और राकेश

कौशल ने किया। उद्घाटन के बाद खेले गए मुकाबले में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब ने ब्राइट क्रिकेट क्लब दिल्ली को पांच विकेट से शिकस्त दी। टीएस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए ब्राइट क्रिकेट क्लब ने निर्धारित 32 ओवर में 169 रन बनाए। टीम की ओर से



यशवीर नेगी ने 44 और आरव ने 28 रन बनाए। फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की ओर से आराध्य चौधरी ने 12 रन देकर तीन विकेट झटके, जबकि कर्लव्य शर्मा ने दो विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम ने 29 ओवर में पांच विकेट खोकर

170 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। देव कुमार ने शानदार 60 रन, शौर्य मलिक ने 40, विराट ने 24 और दिव्यांश ने 17 रन बनाए। ब्राइट क्लब की ओर से हरिवंश ने दो विकेट लिए। शानदार बल्लेबाजी के लिए देव कुमार को मैन ऑफ द मैच चुना गया।

गाजियाबाद में श्रद्धा से मनी गांधी-शास्त्री जयंती, गूंजा जनसेवा का संदेश कलेक्ट्रेट से पुलिस लाइंस तक गूंजे गांधी-शास्त्री के विचार



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। कलेक्ट्रेट परिसर में शुक्रवार को जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मादड़ की अध्यक्षता में महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती मनाई गई।

डीएम ने दोनों महापुरुषों के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया। अधिकारियों ने उनके जीवन, विचारों और सिद्धांतों पर प्रकाश डालते हुए उन्हें आत्मसात करने का आह्वान किया। जिलाधिकारी ने कहा कि गांधी और शास्त्री के विचार

आज भी देश को सही दिशा देते हैं। सभी को स्वच्छता, पर्यावरण एवं जल संरक्षण के साथ जनहित के कार्यों में सक्रिय योगदान देना चाहिए।

उन्होंने अधिकारियों-कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाते हुए गंदगी न करने और न होने देने का संकल्प कराया।

गांधी-शास्त्री जयंती पर सूचना विभाग ने किया महापुरुषों को नमन

गांधी जयंती एवं शास्त्री जयंती के अवसर पर जिला सूचना अधिकारी योगेंद्र प्रताप सिंह के नेतृत्व में सूचना



विभाग के कर्मचारियों ने महात्मा गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के चित्रों पर

पुष्पांजलि अर्पित की। जिला सूचना अधिकारी ने दोनों महापुरुषों के जीवन,



विचारों और योगदान पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का

आह्वान किया। इस दौरान मोहम्मद इदरीश, राकेश कुमार, रवि कुमार,



दीपांशु कुमार और धन सिंह सहित विभागीय कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिस कमिश्नरेंट में श्रद्धा से मनाई गांधी-शास्त्री जयंती, दिलाई कर्तव्यनिष्ठा की शपथ

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर पुलिस कमिश्नरेंट गाजियाबाद की ओर से पुलिस लाइंस में श्रद्धांजलि समारोह एवं कर्तव्यनिष्ठा संकल्प कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुलिस आयुक्त ने दोनों महापुरुषों

के चित्रों पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित किए।

उन्होंने गांधीजी के सत्य, अहिंसा, स्वच्छता व सत्यनिष्ठा तथा शास्त्रीजी की सादगी, ईमानदारी और राष्ट्रसेवा के आदर्शों को पुलिसकर्मियों के लिए प्रेरणास्रोत बताया। इस दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों को पूर्ण निष्ठा, ईमानदारी और अनुशासन के साथ कर्तव्यों का निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई। केशव कुमार चौधरी ने पुलिस कार्यालय में श्रद्धांजलि दी। डीसीपी ट्रांस हिंडन ऋजुल ने शिकायतकर्ताओं की समस्याएं सुनकर समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए।

नगर निगम से जीडीए तक गूंजा बापू का संदेश, स्वच्छता को बनाया संकल्प

गांधी जयंती पर नगर निगम का संदेश- स्वच्छता बने हर दिन की आदत

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की 157वीं जयंती के अवसर पर गाजियाबाद नगर निगम की ओर से चलाए गए 'स्वच्छता ही सेवा-2026' अभियान का समापन हुआ। इस दौरान स्वच्छ, सुंदर एवं स्वस्थ गाजियाबाद के संकल्प को दोहराते हुए लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई गई। नगर निगम की ओर से स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी और जागरूकता बढ़ाने का आह्वान किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे स्वच्छता को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बनाएं और शहर को साफ-सुथरा रखने में सहयोग करें। अधिकारियों ने कहा कि जनभागीदारी से ही गाजियाबाद को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है।

जीडीए में श्रद्धा से मनी गांधी जयंती, रामधुन से गुंजा परिसर गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) कार्यालय में शुक्रवार को महात्मा गांधी की जयंती श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाई गई। अधिकारियों और कर्मचारियों ने गांधी जी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस दौरान सामूहिक रामधुन का आयोजन हुआ। वक्ताओं ने सत्य, अहिंसा, स्वच्छता, सादगी और राष्ट्रसेवा के गांधीवादी आदर्शों पर प्रकाश डाला। कर्मचारियों ने गांधी जी



के विचारों को कार्यशैली में अपनाने

तथा स्वच्छ, पारदर्शी और



जनहिनकारी कार्यसंस्कृति को मजबूत

बनाने का संकल्प लिया।

गाजियाबाद क्राइम ब्रांच ने खोला सेक्सटॉर्शन का राज, चार आरोपी गिरफ्तार

एआई वीडियो बनाकर कनाडाई एनआरआई को ब्लैकमेल, मांगें 50 हजार डॉलर



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। क्राइम ब्रांच ने साइबर फ्रॉड और इंटरनेशनल सेक्सटॉर्शन करने वाले अंतरराष्ट्रीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक गिरोह के सदस्य बैंक खाते खरीदकर देश के अलग-अलग राज्यों में साइबर ठगी की रकम का लेनदेन करते थे। जांच में अब तक 6 करोड़ 58 लाख रुपये के साइबर फ्रॉड का खुलासा हुआ है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान मो. फैसल, मो. अमान त्यागी, मो. हम्माद और मो. फैजान के रूप में हुई है। इनके कब्जे से पांच मोबाइल फोन, चार

अकाउंट किट, पांच सिम कार्ड और 2600 रुपये बरामद किए गए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपियों ने फेसबुक पर 'नवप्रोत कौर' नाम से फर्जी आईडी बनाकर कनाडा के एक एनआरआई से संपर्क किया। वीडियो कॉल रिकॉर्ड करने के बाद उसकी एआई वीडियो तैयार कर उसे वायरल करने की धमकी दी गई और 50 हजार डॉलर की मांग की गई। रकम नहीं देने पर लगातार ब्लैकमेल किया जा रहा था।

ठगी की रकम के लिए आरडीसी स्थित बैंक खाते की जानकारी साझा की गई थी। एनआरआई की शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने जांच शुरू कर गिरोह का पर्दाफाश किया।

गांधी जयंती पर कनावनी के किसानों का अनोखा प्रदर्शन, मौन रख जताया विरोध

नाम बहाली तक आंदोलन जारी रखने का ऐलान, बोले न आवाज सुनाई दे रही, न परेशानी दिखाई दे रही

कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। ग्राम कनावनी के किसानों के धरने को शुक्रवार को 50 दिन पूरे हो गए। गांधी जयंती के अवसर पर किसानों ने धरना स्थल पर मौन रखकर शांतिपूर्ण आंदोलन और अपने संकल्प को दोहराया। किसानों ने आरोप लगाया कि लंबे समय से धरना देने के बावजूद उनकी मांगों पर प्रशासन और प्राधिकरण की ओर से अपेक्षित कार्रवाई नहीं की जा रही है। किसानों ने कहा कि प्रशासन को न उनकी आवाज सुनाई दे रही है, न



परेशानी दिखाई दे रही है और न ही इस मामले में कोई स्पष्ट जवाब दिया जा रहा है। किसानों का आरोप है कि न्यायालय के निर्देशों के बावजूद

राजस्व अभिलेखों में उनके नाम बहाल नहीं किए गए हैं, जबकि प्राधिकरण की ओर से मुआवजे के लिए अवॉर्ड तैयार करने की प्रक्रिया

आगे बढ़ाई जा रही है। किसानों ने बताया कि मामले में कुछ अधिकारियों के खिलाफ हाईकोर्ट से अवमानना संबंधी नोटिस जारी किए जा चुके हैं। किसान मंथन सिंह नागर और जगदीश शर्मा ने कहा कि नाम खसरा-खतौनी एवं राजस्व अभिलेखों में बहाल होने तक आंदोलन जारी रहेगा। उन्होंने आंदोलन को आगे और व्यापक करने की चेतावनी दी। धरने में सुखबीर नागर, महेंद्र नागर, श्रीचंद नागर, चतर सिंह नागर, जयपाल नागर, अंतराज कसाना, विजय नागर, परवीन नागर, सतीश नागर और अशोक कसाना सहित अन्य किसान मौजूद रहे।

अंधेरी रात में आबकारी का एक्शन, स्कूटी से शराब पहुंचाने वाला दबोचा

गाजियाबाद। प्रदेश में भले ही गांधी जयंती पर अवकाश रखा गया हो, मगर प्रदेश के आबकारी विभाग में तेनात अधिकारी और उनकी टीम के लिए यह अवकाश और चुनौतीपूर्ण बन जाता है। गांधी जयंती पर प्रदेश में शराब की दुकानें पूर्ण रूप से बंद हैं और इसी का फायदा उठाने के लिए माफिया या तो बाहर की शराब बेचते हैं या फिर एक दिन पहले ही लाइसेंसों की दुकानों से शराब खरीद कर स्टॉक कर लेते हैं। जिसे बंदी के दिन दो से तीन गुना अधिक दामों में बेचते हैं। ऐसे ही एक तस्कर को आबकारी विभाग की टीम ने सुखबिर की सुवना पर गिरफ्तार किया है। जो प्यूपी और हरियाणा की बीयर को ऑनलाइन डिलवरी करता था। फोन पर ऑर्डर मिलते ही रात के अंधेरे में सप्लाई करने निकल जाता था। मगर एक अक्टूबर की रात उसके लिए सबसे बड़ी काली रात के रूप में उभर कर आई। नोएडा जिला आबकारी अधिकारी सुबोध कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीमें लगातार संवेदनशील क्षेत्रों में निगरानी कर रही हैं। रात के अंधेरे से लेकर तड़के सुबह तक चल रहे इस अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक दीनेन्द्र सिंह और थाना सेक्टर-126 पुलिस की संयुक्त टीम ने एक युवक को अवैध रूप से बीयर बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

बस पर फायरिंग का खुलासा, मुठभेड़ में दो बदमाश गिरफ्तार



कपिल चौहान

गाजियाबाद (वेलकम इंडिया)। मसूरी थाना पुलिस और स्वाट टीम ग्रामीण जोन ने 28 सितंबर को दिल्ली-बदायूं रूट की यात्री बस पर हुई फायरिंग की घटना का खुलासा करते हुए शुक्रवार को मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। मुठभेड़ में पैर में गोली लगने से अनस घायल हो गया, जबकि उसके साथी नदीम को पुलिस ने काबिंग के दौरान पकड़ लिया।

पुलिस के मुताबिक, 28 सितंबर की रात पुरानी रंजिश के चलते बस चालक शरीफुद्दीन और परिचालक तालिब को निशाना बनाकर फायरिंग की गई थी। गोली लगने से तालिब और उसका दोस्त कमरूद्दीन अंसारी गंभीर रूप से घायल हुए थे। मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा



रही थी।

शुक्रवार को भूइगड़ी बंबा के पास चेकिंग के दौरान पुलिस ने स्कूटी सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया। आरोपियों ने स्कूटी मोड़कर भागने के साथ पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में अनस के पैर में गोली लगी। उसके कब्जे से .32 बोर की पिस्टल, दो जिंदा और एक खोखा कारतूस बरामद हुआ। नदीम से .315 बोर का तमंचा, एक जिंदा व एक खोखा कारतूस तथा घटना में प्रयुक्त बिना नंबर की स्कूटी बरामद की गई।